जम्मू और कश्मीर में आठ अक्टूबर को आए भूकम्प के कुछ ही दिन के अंदर भोजन, गर्म कपड़े और कंबल, काम के बदले नकद भुगतान के छोटे-छोटे कार्यक्रम और तम्बू-तिरपाल जैसी सामग्रियां भूकम्प पीड़ितों तक पहुंचने लगीं। अमेरिकी सरकार के राहत कार्यक्रम के अन्तर्गत अमेरिकी, ब्रिटिश और भारतीय स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से 600,000 डॉलर की सहायता सामग्री वितरित की जाएगी। ब्रिटेन की संस्था सेव द चिल्ड्रन सबसे पहले आपातकालीन राहत पहुंचानेवाली संस्थाओं में से एक थी। दांएं: सीमांत कस्बे उड़ी की बाहरी पहाड़ियों पर बसे बांदी गांव में बच्चों को गर्म जैकेटें मिलीं। नीचे: सबसे ज्यादा तबाही झेलनेवाले क्षेत्रों के भारतीय परिवारों को चावल, दाल, तेल और नमक दिए गए। अमेरिका ने सेव द चिल्ड्रन को 180,000 डॉलर; कैथॅलिक रिलीफ सर्विस को 170,000 डॉलर, जिसमें भारत की कनफैडरेशन आफ वॉलण्टरी एसोसिएशंस को दिए 43,000 डॉलर भी शामिल हैं, केयर को 100,000 डॉलर; वर्ल्ड विज़न को 100,000 डॉलर और प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष को 50,000 डॉलर दिए हैं।

Courtesy SAVE THE CHILDREN

भूकंप

पीड़ितों के लिए सहायता

Courtesy USAID

RNI-DELHIN/2003/9334 के अंतर्गत पंजीकृत